हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

तापमान
अधिकतम 25 .5 डिग्री
न्यूनतम 6 .4 डिग्री

12 राज स्कूल के विद्यार्थियों ने वार्षिक खेल उत्सव में दिखाई अपनी प्रतिभा

12 सेक्टर तीन में 1.67 करोड़ से बनेगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, 70 डबल व सिंगल मंजिला प्रतिष्ठान होंगे तैयार

खबर संक्षेप

अवैध शराब बेचने का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मुंडिया खेड़ा में अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मुडिया खेड़ा निवासी आशिष अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने अवैध शराब के 58 पव्वे शराब बरामद हुई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के बाद एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपी को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद 10 दिसंबर को केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद गुरूग्राम के जमालपुर निवासी दीवान सिंह को गिरफ्तार कर लिया। थाना खोल पुलिस ने 28 नवंबर को हुए सड़क हादसे के बाद दर्ज मामले में महेंद्रगढ़ के धनोंदा निवासी महेश को गिरफ्तार कर लिया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर गत 8 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित का सामान्य अस्पताल से मेडिकल हुआ था। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद आकेड़ा निवासी इंद्रजीत और नरेश को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस शिकायत में एक गांव निवासी विवाहिता ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए परेशान करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे, परंतु सहमति नहीं बनी। पुलिस ने 13 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने जींद के अलावल निवासी अमित को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

खाईवाली करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। रोहड़ाई थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आशियाकी गौरावास निवासी सुदेश कुमार नंबर लगाकर सट्टा खिला रहा है। पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। सट्टे का नंबर लगाते ही पुलिस ने उसे मौके पर गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से सट्टे की 1220 रुपये राशि और पर्चियां बरामद कर लीं। आरोपी के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था।

डीएवी में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शनिवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन गुरुग्राम के निजी अस्पताल और पुलिस विभाग के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर डीएसपी सिटी जोगिंदर शर्मा उपस्थित थे। उन्होंने लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

महत्वाकांक्षी परियोजना का जायजा लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह

नए साल में मिलेंगी उच्च स्तरीय मेडिकल सेवाएं माजरा एम्स में मार्च माह से शुरू हो जाएगी ओपीडी

एमबीबीएस की कक्षाएं भी नए साल के मध्य तक होंगी शुरू

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

संभवतया राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजना को सिरे चढ़वाने में कामयाब रहे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के चेहरे पर शनिवार को खुशी की झलक साफ दिखाई दे रही थी। मौका था माजरा में निर्माणाधीन एम्स के निर्माणाधीन भवन के अवलोकन करने का, जिसका शिलान्यास राव के प्रयासों से पीएम मोदी ने पिछले साल 16 फरवरी को किया था। लगभग 40 प्रतिशत तक बन चुके इस भवन में विश्व स्तरीय मेडिकल सेवाओं की शुरूआत नए साल के मार्च में हो सकती है, जिसके बारे में राव इंद्रजीत सिंह ने मीडिया से जानकारी सांझा की। राव ने बिल्डिंग का निरीक्षण करते हुए बताया कि हमने मार्च 2006 तक एम्स की ओपीडी शुरू कराने का जो वायदा किया था, वह समय पर पूरा होने जा रहा है। एम्स की बिल्डिंग का निर्माणकार्य सुचारू रूप से चल रहा है, जिससे वह पूरी तरह संतुष्ट हैं। ओपीडी के संबंध में उनकी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से पहले ही बात हो गई थी। उन्होंने कहा कि एम्स की ओपीडी शुरू होने के बाद न सिर्फ दक्षिणी हरियाणा, बल्कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि एम्स में एमबीबीएस की कक्षाएं भी नए सत्र से अगस्त या सितंबर माह में शुरू हो जाएंगी।

इसके बाद इलाके के युवाओं को घर के नजदीक ही डॉक्टरी करने का मौका मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार दक्षिणी हरियाणा के विकास की ओर पूरा ध्यान दे रही हैं। माजरा में एम्स का निर्माण इस इलाके के लिए बडे तोहफे से कम नहीं है। जो लोग एम्स को लेकर अनर्गल बयानबाजी करते रहे, इसे मूर्त रूप मिलने के बाद उनके मुंह बंद हो चुके हैं। पीएम मोदी की विकासात्मक नीतियों के चलते ही माजरा एम्स की सौगात इलाके के लोगों को मिल पाई है।

रेवाड़ी। एम्स के कार्यों की जानकारी लेते हुए केंद्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह।

रेवाड़ी। माजरा एम्स के भवन का निरीक्षण करते राव इन्द्रजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

केंद्र को भेजी 1700 डॉक्टरों की डिमांड

एम्स के निदेशक डा. डीएन शर्मा ने इस मौके पर बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग को 1700 डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए फाइल तैयार करके भेजी गई है। नीट की परीक्षा के बाद अगस्त-सितंबर माह से एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं राव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू करने से पहले फैकल्टी हायर करने पर जोर दिया जा रहा है। अभी कक्षाएं शुरू कराने के लिए बिल्डिंग का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। जैसे-जैसे निर्माणकार्य आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे एम्स की सुविधाओं में विस्तार होता चला जाएगा।

डॉ. बनवारीलाल का भी बड़ा योगदान

पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल।

माजरा में जिस एम्स बिल्डिंग का निर्माण हो रहा है, उसकी प्रदेश स्तर पर औपचारिकताएं पूरी कराने में तत्कालीन कैबिनेट मंत्री डा. बनवारीलाल का भी बड़ा योगदान रहा था। जिस समय किसानों की जमीन सरकार के नाम कराने की राह में अड़चनें आ रही थीं, उस समय डा. बनवारीलाल ने ही सीएम से सामंजस्य बैठाते हुए अड़चनों को दूर कराया था। उन्हीं के प्रयासों से जमीन सरकार के नाम कराने की प्रक्रिया शुरू हो सकी थी। डा. बनवारीलाल ने स्वास्थ्य विभाग से संबंधित लंबित फाइलों को तेजी से आगे बढ़वाने की दिशा में सराहनीय प्रयास किए थे।

एम्स निर्माण समिति के पदाधिकारी खुश

एम्स में जल्द ओपीडी और एमबीबीएस की कक्षाएं जल्द शुरू होने की उम्मीद से एम्स निर्माण समिति के पदाधिकारी और माजरा के ग्रामीण काफी खुश और उत्साहित नजर आ रहे हैं। एम्स के लिए जमीन उपलब्ध कराने के लिए समिति के प्रधान जगदीश यादव व अन्य पदाधिकारियों से लेकर ग्रामीणों तक की भूमिका सराहनीय रह चुकी है। जमीन सरकार के नाम कराने के लिए समिति को ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा था। उसके बाद ही एम्स निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। प्रधान जगदीश यादव ने ग्रामीणों के मुद्दों को लेकर केंद्रीय मंत्री के साथ मंत्रणा भी की।

रेवाड़ी। माजरा में तेजी से चल रहा एम्स का निर्माण कार्य।

यह रहे केंद्रीय मंत्री के साथ मौजूद

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के साथ एम्स बिल्डिंग का निरीक्षण करते समय विधायक डा. कृष्ण कुमार, अनिल रायपुर, एम्स निर्माण समिति के प्रधान जगदीश यादव, माजरा के सरपंच रविंद्र हाथी, जीतू चेयरमैन, जीवन राम गर्ग, दिनेश यादव टींट, संजय यादव, एसडीएम सुरेश कुमार, डीएसपी पवन कुमार, डा. संजय मेहरा, आनंद राज शर्मा, पवन बजाज व बड़ी संख्या में माजरा और आसपास के गांवों के लोग मौजूद थे।

माजरा एम्स एक नजर में

एम्स के लिए कुल जमीन	210 एकड़
बिल्डिंग पर प्रस्तावित खर्च	1700 करोड़
एम्स में बेड की संख्या	750 बेड
एबीबीएस की कुल सीट	50 शुरूआत में
आगे बढ़ने वाली सीटें	100 सीट

अवैध शराब, हथियार व सट्टा खाईवाली के तीन आरोपियों पर कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन के तहत जुआ-सट्टा, नशा व अवैध हथियार सहित अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है। अभियान के तहत पुलिस की विभिन्न टीमों ने संवेदनशील, भीड़भाड़ वाले तथा अपराध प्रभावित क्षेत्रों में चैकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने जुआ-सट्टा, अवैध हथियार व अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की है। अभियान के तहत सीआईए धारूहेड़ा ने 1 अवैध देशी कट्टा व 1 जिंदा रौंद के साथ आरोपी राजेश उर्फ बंटी निवासी गांव चिरहाडा को गिरफ्तार किया है। रोहड़ाई थाना पुलिस ने सट्टा खाईवाली करते हुए आरोपी सुदेश निवासी आशियाकी गौरावास को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से 1220 रुपये बरामद किए।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

आरोपी को 14.5 बोतल देशी शराब सहित काबू किया

इसके अलावा सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस टीम ने राजस्थान के जिला अलवर के गांव मुंडिया खेडा निवासी आरोपी आशीष को 14.5 बोतल देशी शराब सहित काबू किया। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले के सभी गांवों के सरपंचों, पुलिस मित्रों, सामाजिक प्रतिनिधियों और जागरूक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वक अपने-अपने क्षेत्र में नशा बेचने वालों, जुआ खिलाने वालों या अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया

गोतस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे कई थानों में दर्ज हैं 15 मामले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

धारूहेड़ा के सेक्टर-6 थाना पुलिस ने नवंबर माह में दर्ज किए गए गोकशी एक्ट के तहत मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी के खिलाफ प्रदेश के साथ-साथ राजस्थान के विभिन्न पुलिस थानों में 15 आपरिधक मामले दर्ज हैं। पुलिस को दर्ज शिकायत में श्री नंदू गोशाला धारूहेड़ा के प्रधान गोकलगढ़ निवासी रोहित यादव बताया था कि 17 नवंबर की रात उन्होंने मॉडल टाउन रेवाड़ी से एक पिकअप गाड़ी गायों को ले जाते हुए दिखाई दी। उन्होंने गाड़ी का पीछा करना शुरू किया तो फिदेड़ी रोड पर गोतस्कर पांच गायों को सड़क पर फेंककर भागने लगे। उन्होंने गाड़ी का पीछा करते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आकेड़ा में नाका लगा दिया। गोतस्कर पुलिस नाके के पास गाड़ी छोड़कर भागने लगे। इसी दौरान जाहुल नाम का गोतस्कर नाले में गिर गया, जिसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद गोकसी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी नूंह के पल्ला निवासी राहुल को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

राजस्थान के कई थानों में भी नामजद

आरोपी राहुल के खिलाफ रोहड़ाई, नूंह सदर थाना, पलवल व नारनौल पुलिस थानों के साथ-साथ राजस्थान के भिवाड़ी, खैरथल, किशनगढ़, नीमराणा व तिजारा आदि थानों में गोकसी, चोरी व हत्या के प्रयास सहित कई आरोपों में केस दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है।

गोदाम में आग से लाखों का सामान जला फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शुक्रवार की रात गोकलगढ़ में अर्धसैनिक बल की कैंटीन के सामान के गोदाम में लगी आग से लाखों रुपये का सामना जलकर रख हो गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर जाकर आग पर काबू पाया, परंतु तब तक सामान आग की भेंट चढ़ चुका था। आगजनी का कारण बिजली की फिटिंग में शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। गोकलगढ़ निवासी मुकेश ने अपनी जमीन में एक गोदाम बनाया हुआ है। यह गोदाम उसने सोनीपत निवासी पूर्ण चंद आर्य को किराए पर दिया हुआ है। पूर्ण चंद ने गोदाम में अर्ध सैनिक बल की कैंटीनों पर सप्लाई करने के लिए लाखों रुपये का सामान भरा हुआ था। इस सामान को कैंटीनों पर भेजा जाता है। रात को गोदाम के गार्ड सतबीर ने डायल-122 पर कॉल करके सूचना दी कि गोदाम में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई है। फायर ब्रिगेड को भी आग की सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने तक आग भीषण रूप धारण कर चुकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक सारा सामान जलकर राख को चुका था। सदर थाना पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी।

फ्लाइंग ने रुकवाई रोडवेज बस, ब्रेक लेते ही पीछे से ट्रक ने टक्कर मारी, बाल-बाल बचे यात्री

- गनीमत यह रही कि हादसे में कोई यात्री घायल नहीं हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बावल

शनिवार दोपहर दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर कसोला चौक से कुछ दूरी पर फ्लाइंग ने रोडवेज बस को रुकने का इशारा किया। जैसे ही चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, पीछे से आ रहा एक ट्राला बस के दाएं हिस्से से टकरा गया। इससे बस यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई यात्री घायल नहीं हुआ। दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही हरियाणा रोडवेज के रेवाड़ी के डिपो की बस दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही थी। जब बस एनएच-71 के पास पहुंची, तो सड़क किनारे खड़ी रोडवेज फ्लाइंग ने चालक को बस रोकने का इशारा कर दिया। चालक ने बस रोकने के लिए ब्रेक लगा दिए। बस के पीछे चल रहे ट्रॉला चालक ने बस से ट्रॉले को टकराने से बचाने के भरसक प्रयास किए, लेकिन ट्रॉले का आगे का हिस्से बस के दाएं कोने में टकरा गया। इससे बस यात्रियों में हडकंप मच गया। ट्रॉला चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया, परंतु सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे काबू कर लिया। बस का पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ट्रॉला चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

बावल। घटनास्थल पर खड़ी रोडवेज की बस।

सामान्य से अधिक चल रहा तापमान, दिन के समय ठंड का असर कम

ठंडा नहीं हो रहा मौसम का मिजाज, बढ़ने लगी किसानों की चिंता

- आज से मौमम में बदलाव की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

दिसंबर माह का दूसरा पखवाड़ा शुरू होने जा रहा है, लेकिन अभी तक दिन के समय कड़ाके की ठंड का असर देखने को नहीं मिला है। दिन के समय मौसम गर्म बना हुआ है, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें देखी जा रही हैं। रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है, तो दिन के समय मौसम गर्म बना रहता है। रविवार से मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। शनिवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह साफ बना रहा। सुबह के समय ठंड का काफी अधिक असर रहा, परंतु दोपहर तक मौसम गर्म हो गया। अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात का तापमान 0.8 डिग्री बढ़कर 6.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। हवाओं की गति काफी कमी रही, जबकि नमी का स्तर बढ़कर 77 प्रतिशत तक पहुंच गया। दोनों तापमान इस समय सामान्य से अधिक चल रहे हैं। गत वर्ष 13 दिसंबर को अधिकतम तापमान 21.0 डिग्री और न्यूनतम 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस बार गत वर्ष की तुलना में दोनों तापमान ज्यादा बने हुए हैं। दिन के समय मौसम फरवरी माह जैसा बना रहता है। रात को कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 14 दिसंबर को मौसम में बदलाव के चलते आसमान में बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी की संभावना भी जताई जा रही है। मौसम में बदलाव के बाद दिन के समय भी सर्दी का प्रकोप शुरू हो सकता है। अभी तक कोहरा भी शुरू नहीं हुआ है। सुबह के समय ठंड के प्रदूषण भी बढ़ रहा है। धारूहेड़ा का एक्यूआई सुबह 300 के करीब दर्ज किया गया, जिसमें दोपहर तक मामूली कमी दर्ज की गई। शाम के समय एक्यूआई 277 दर्ज किया गया।

रेवाड़ी। एक खेत में गेहूं की सिंचाई के लिए चल रहे फव्वारे। फोटो : हरिभूमि

फसलों के लिए नुकसानदायी मौसम

मौसम का मिजाज गर्म रहने से किसानों की चिंता बढ़ रही है। दिन के समय गर्म मौसम सरसों की अगेती फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य से अधिक तापमान फसलों में रोग पैदा कर सकता है, इसलिए फसलों को पानी लगाना जरूरी है। बड़े किसानों के लिए सीमित बिजली के कारण दोनों फसलों की एक साथ सिंचाई करना मुश्किल साबित हो रहा है। शनिवार को शाम के समय आंशिक बादल छाने से उन्हें मौसम में बदलाव की उम्मीद नजर आने लगी है। अगर इस समय बारिश होती है, तो इससे दोनों फसलों को अच्छा फायदा हो सकता है।

पिकअप ने मारी बाइक को टक्कर, बाइक सवार वृद्ध महिला की मौत

बावल। आईएमटी में एक कंपनी के पास शुक्रवार सायं पिकअप की टक्कर से बाइक सवार वृद्ध महिला की मौत हो गई, उसका पोता घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने पिकअप चालक की तलाश शुरू कर दी। बिदावास निवासी तनुज बाइक पर अपनी दादी चंद्रो देवी को लेकर अपने घर की ओर जा रहा था। जब वह आएमटी एरिया में एक कंपनी के पास पहुंचा, तो तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दादी-पोता दोनों घायल हो गए। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रो देवी को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन- कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी

सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश

चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिएद्ध इसके अलाना रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीज़ें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी ज़रूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

खबर संक्षेप

लोक अदालत में 98 केसों का किया निपटान

कनीना। न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 1388 केस रखे गए। जिनमें दोनों पक्षों की सहमति से 98 का निपटारा किया गया और 3206907 रुपये की रिकवरी की गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में न्यायालय के जेएमआईसी विशेष गर्ग ने बार सदस्यों की उपस्थिति में विवादों का निपटारा किया। बैंक रिकवरी के 103 के केसों में से छह का निपटान किया गया, जबकि 51 क्रिमिनल कंपाउंडेबल केस में से 48 का निपटारा किया गया।

नप के पूर्व प्रधान ने सौंपा केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन

नारनौल। नगर परिषद के पूर्व प्रधान किशन चौधरी एडवोकेट ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को राव बंसी सिंह पार्क की दुर्दशा सम्बंधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें गया कि राव बंसीसिंह पार्क शहर के घनी आबादी क्षेत्र में स्थित हैं। जिसमें हर वर्ग बच्चे, युवा, बुजुर्ग अपनी दैनिक चर्या में घूमने आते हैं। जिससे यहां पर ओपन जिम व झूलों की व्यवस्था के लिए सरकारी ग्रांट की बड़ी भारी जरूरत हैं। वहीं पार्क के संचालन के लिए एक या दो स्थाई कर्मचारियों की व्यवस्था की जाए।

न्यायालय भवन का जेई ने किया निरीक्षण

कनीना। में निर्माणाधीन उप मंडल स्तरीय न्यायालय भवन का कार्य करीब 20 फीसदी पूरा हो गया है। इस कार्य का लोक निर्माण विभाग के जेई अजनबी खोला व फरीदाबाद से आए क्वालिटी कंट्रोल जेई लखनलाल ने निरीक्षण कर निर्माणकर्ता ठेकेदार को जरूरी दिशानिर्देश दिए। उन्होंने बताया कि करीब सात करोड़ की लागत से तैयार किए जा रहे इस भवन का समय समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भवन का निर्माण कार्य सालभर में पूरा किए जाने की योजना है।

हमारी नजर में परिवार प्रथम व देश सर्वप्रथम

कनीना। पूर्व सैनिक अधिकार रक्षक महासंघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने शादी समारोह में उपस्थित होकर वर वधु को आशीर्वाद दिया। कनीना से सभी पदाधिकारियों ने मिलकर कहा कि उनकी नजर में परिवार प्रथम व देश सर्वप्रथम है। हेमंत शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारतीय सेना में रहते हुए देश की सीमाओं की रक्षा ही है। फिलहाल भी उनकी रगों में वही जज्बा कायम है। शादी समारोह में एकत्रित हुए महासंघ के पदाधिकारियों ने पुरानी यादें ताजा कर अपने अनुभव साझा किए।

बकाया राशि पर 100% ब्याज माफ कराने की मांग

नारनौल। खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह को एक ज्ञापन सौंपकर उनसे नई मंडी में दुकानों के लिए खरीदे गए प्लाटों की बकाया राशि पर 100 प्रतिशत ब्याज माफ करवाने की मांग की है। प्रधान रामजीलाल मित्तल एवं व्यापारी नेता बद्रीप्रसाद गर्ग ने संयुक्त रूप से बताया कि नांगल चौधरी रोड पर जल महल के समीप बनी नई अनाज मंडी में यहां के व्यापारियों ने कुछ साल पहले दुकानों के प्लाट खरीदे थे।

कैलाश चंद जांगिड़ का फूल मालाओं से सम्मान

मंडी अटेली। गांव मित्रपुरा निवासी कैलाश चंद जांगिड़ को नारनौल मार्केट कमेटी का कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए जाने पर अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला महेन्द्रगढ़ ने उनका पगड़ी पहनकर फूल–मालाओं से स्वागत किया। नारनौल की नई सब्जी मंडी में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह एवं मौजूदा विधायक राव ओमप्रकाश ने कैलाश चंद जांगिड़ ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

7 उपविषयों में खंड स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे थे

जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने मॉडल बनाकर दिखाई प्रतिभा, 21 विजेता सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सैनी सीनियर सेकंडरी स्कूल में जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें खंड स्तर पर विजेता रहे कुल 105 मॉडल्स में से 91 मॉडल्स को विद्यार्थियों ने प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में कुल 140 विद्यार्थियों व 80 अध्यापकों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने टिकाऊ कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण व प्रबंधन एवं गणित में मनोरंजक मॉडलिंग विषय पर मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई।

नारनौल। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सभी विद्यार्थी अलग अलग सात उपविषयों में खंड स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद से विषय विशेषज्ञ अनीता, स्कूल प्राचार्य हुकम चंद सैनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लिए स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियंत्रण विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती प्रौद्योगिकियां, स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल संरक्षण व प्रबंधन एवं गणित में मनोरंजक मॉडलिंग आदि सात अलग अलग उपविषयों पर विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर खंड स्तर पर स्थान लिया था। सभी उपविषयों में जिला पुरस्कार 1800 रुपये व तृतीय पुरस्कार 1500 रुपये दिए जाएंगे। कुल 21 विद्यार्थियों को पुरस्कार राशि के रूप में 37 हजार 800 रुपये दिए जाएंगे, जो कि उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाएंगे।

मॉडल को और विकसित करने का करें प्रयास

प्रतिभागियों के मॉडल्स का निरिक्षण किया

एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम से विषय विशेषज्ञ अनीता ने कार्यक्रम का अवलोकन किया व प्रतिभागियों के मॉडल्स का निरिक्षण कर उनका मार्गदर्शन किया। जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने विद्यार्थियों की ओर से बनाए गए मॉडल्स का अवलोकन किया व 21 विजेता विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बाकि सभी प्रतिभागियों व गाइड अध्यापकों को भी सर्टिफिकेट दिए गए। सैनी स्कूल व वेदांता स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविंद्र अग्रवाल ने बताया कि सभी उपविष्यों में प्रथम स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी अपने मॉडल के साथ राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लेंगे।

मॉडल मेकिंग में जिला स्तर पर प्राप्त किया प्रथम स्थान

मॉडल मेकिंग में कक्षा छठी से 12वीं के वे विद्यार्थी, जिन्होंने जिला स्तर पर सात उपविष्यों पर हुई विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। टिकाऊ कृषि उप विषय में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनुन्दा से संजू ने प्रथम, पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी से अनिता ने द्वितीय, पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ से आभा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अपशिष्ट प्रबंधन व प्लास्टिक के विकल्प उप विषय में राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारनौल से पंकज यादव ने प्रथम, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोद से यशवी ने द्वितीय व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बूढ़वाल से रोहित ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हरित ऊर्जा उप विषय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मूसनोता से युवराज ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महेंद्रगढ़ से अमन ने द्वितीय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुलोदी से सोनू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उभरती प्रौद्योगिकियां उप विषय में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दौंगड़ा अहीर से मनीष ने प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना से धर्मेन्द्र ने द्वितीय, आरआर ग्रीन मैक्स खेड़ी तलवाना से निशा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

केंद्रीय विवि में चल रही वालीबॉल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम

केंद्रीय विवि में वालीबॉल स्पर्धा की विजेता बनी कुरुक्षेत्र की टीम

- प्रतियोगिता भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से आयोजित की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नौ दिसंबर से चल रही उत्तरी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता का समापन हो गया है। यह प्रतियोगिता भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सहयोग से आयोजित की गई। प्रतियोगिता के समापन सत्र में महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। अर्जुन पुरस्कार विजेता मेजर जनरल दीप सिंह अहलावत विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्यातिथि सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह का स्वागत किया। समापन समारोह में विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वितीय और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ तृतीय स्थान पर रहा। विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत काउंसिल के सचिव डॉ. संदीप ढुल के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने बताया कि चार दिनों तक चले इस आयोजन में विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। शिक्षक पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने इस सफल आयोजन के लिए भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), प्रतिभागी शिक्षण संस्थानों और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार और एआईयू के ऑब्जर्वर बीरेंद्र हुड्डा को धन्यवाद दिया। समापन में सांसद धर्मबीर सिंह ने चार दिवसीय टूर्नामेंट के आयोजकों और प्रतिभागी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति की भी इस आयोजन के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि वॉलीबॉल जैसे टीम गेम न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, बल्कि टीमवर्क, अनुशासन, नेतृत्व और रणनीतिक सोच जैसे मूल्यों को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दर्शाता है कि हमारे युवा खेलों के प्रति समर्पित हैं और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

हार-जीत जीवन का हिस्सा

मेजर जनरल दीप सिंह अहलावत ने कहा कि हार-जीत जीवन का हिस्सा है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम हार के बाद जीतने के लिए कितने प्रयास करते हैं और जीतने के बाद खुद को और बेहतर प्रदर्शन के लिए कैसे तैयार करते हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चार दिवसीय इस आयोजन में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग व स्पोर्ट्स काउंसिल के प्रयास बेहद सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय भविष्य में भी ऐसे बड़े आयोजन करता रहेगा। प्रो. भूकर ने कहा कि चार दिवस के इस आयोजन में 60 शिक्षण संस्थानों के खिलाड़ी व प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

सीएल पब्लिक स्कूल में पीटीएम आयोजित

नारनौल। बैठक में भाग लेते अध्यापक व अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हुडा स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में शनिवार को पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों में बच्चों के यूनिट टेस्ट, फाउंडेशन टेस्ट और स्कूल स्तर पर होने वाले ओलंपियाड टेस्ट के परिणाम जानने के लेकर उत्सुकता दिखाई दी। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षक व माता पिता का एक साथ छात्र के प्रदर्शन पर चर्चा करना व उनके सीखने के अनुभव को और अच्छा करने के तरीके खोजना था। शिक्षकों ने अभिभावकों को परीक्षा के दौरान उनके बच्चों के प्रदर्शन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सुझाव पेटी भी रखी गई। जिसमें बच्चों के साथ आए माता पिताओं ने अपने सुझाव दिए। इस अवसर प्राचार्य रविन्द्र यादव ने बताया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य माता पिता को बच्चों के प्रति जगरूक करना और उनके बच्चें की प्रत्येक क्रिया कलाप की जानकारी देना है, ताकि बच्चे व उनके माता पिता उनकी प्रगति में अध्यापकों का सहयोग कर सकें।

स्व. ओमप्रकाश चौटाला की पुण्यतिथि पर तेजा खेड़ा में होगी श्रद्धांजलि सभा: सुरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 20 दिसंबर को तेजा खेड़ा फार्म हाउस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में इंडियन नेशनल लोक दल की जिला स्तरीय बैठक नई मंडी में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने बताया कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का राजनीतिक और सामाजिक जीवन प्रदेश की जनता के लिए प्रेरणास्त्रोत रहा है। उनकी स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश भर से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व आमजन बड़ी संख्या में शामिल होंगे। जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता श्रद्धांजलि अर्पित करने तेजा खेड़ा फार्म हाउस पहुंचेंगे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते सुरेंद्र चौधरी। फोटो : हरिभूमि

जिला प्रभारी जसबीर सिंह ढिल्लो ने कहा कि यह श्रद्धांजलि सभा चौधरी ओमप्रकाश चौटाला के विचारों व सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर होगी। पुण्यतिथि पर इनेलो की ओर से सर्वधर्म प्रार्थना, श्रद्धांजलि सभा, प्रसाद वितरण किया जाएगा। लोक सेवा आयोग के पूर्व सतबीर सिंह बडेसरा ने कहा कि चौधरी ओमप्रकाश चौटाला हरियाणा की राजनीति के एक प्रभावशाली और अनुभवी नेता रहे।

उपलब्धि जिद में 18 किलो वजन भी किया कम, अब देश की रक्षा में निभाएगा अहम रोल

जिले के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी

देशभर में 42वीं रैंक की हासिल, गहली का आलोक बड़ेसरा बना फ्लाइंग ऑफिसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला के लिए अच्छी खबर है। गांव गहली के उत्तम सिंह बड़ेसरा का पौता आलोक बड़ेसरा वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर बना है। उसने देशभर में 42वीं रैंक हासिल की है। इस पद का सपना संजोए आलोक ने इस जिद के आगे नियमों को पूरा करने के लिए अपना वजन 94 किलोग्राम से 76 किलोग्राम करना पड़ा। आलोक की इस उपलब्धि पर जहां परिवार में खुशी का माहौल है, वहीं जिला के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। जानकारी के मुताबिक गांव गहली वासी आलोक बड़ेसरा का

नारनौल। फ्लाइंग ऑफिसर आलोक बड़ेसरा। *फोटो : हरिभूमि*

दादा उत्तम सिंह रेलवे मंत्रालय से सेवानिवृत है। पिता उदयवीर हरियाणा पुलिस में ईएएसआई पद पर कार्यरत है और इन दिनों रेवाड़ी में कार्यरत है। माता अंशुबाला गृहणी है। चाचा नरेंद्र मानेसर कंपनी में कार्यरत है। आलोक की बहन गरिमा अग्रोहा मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रही है। आलोक ने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई नारनौल के हुडा सेक्टर स्थित सीएल स्कूल में की। इसके बाद 10वीं रफलस इंटरनेशनल स्कूल बहरोड़ से की और 12वीं की पढ़ाई स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान सीकर से की। इसके बाद दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई जून 2025 में पूरी की। इसके बाद करीब पांच माह एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम भी किया। लक्ष्य निर्धारित करें और उसी टारगेट पर बढ़े आगे आलोक बड़ेसरा ने मीडिया को बताया कि फरवरी माह में इस पद के लिए परीक्षा दी थी। इसके बाद अगस्त माह में इंटरव्यू क्लियर किया। फिर मेडिकल पूरा होने के बाद वायुसेना में फ्लाइंग ब्रांच में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयन हुआ है।

मिलेगी प्रेरणा

गांव गहली के आलोक बड़ेसरा की इस सफलता पर जाट महासभा के जिला प्रधान विजयपाल एडवोकेट, अजीत बड़ेसरा, कुलदीप मास्टर, देवव्रत, मालाराम थानेदार, अग्निपाल, सिकंदर गहली, हनुमान, बलवंत, रणसिंह, जगदेव जाखड़, विनोद पंडित, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप, समशेरसिंह, धर्मवीर सिंह, राजबीर बड़ेसरा, अमित, उमेद सिंह, संदीप, कैलाश शर्मा, कश्मीर एडवोकेट, भोलाराम व भारत सहित क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी है और कहा है कि आलोक के इस चयन से क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। इसी तरह युवा आगे बढ़ते रहे तो जिला आगे बढ़ेगा।

खबर संक्षेप

श्री ओम साईंराम स्कूल में हुआ वार्षिकोत्सव

महेंद्रगढ़। श्री ओम साईंराम एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की ब्रांच किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी एवं सावित्री देवी सैनी के द्वारा विद्या की दायिनी मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके की तथा विद्यालय की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की शानदार वंदना प्रस्तुत की गई। सम्मान में बच्चों द्वारा स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई तथा विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य, अभिनय गीत, एकांकी आदि पेश किए गए, बच्चों द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी समूह नृत्य, राजस्थानी समूह नृत्य, सीता हरण, नारी शक्ति, हनुमान द्वारा सीता की खोज, एकलव्य की गुरु दक्षिणा तथा बचपन प्ले स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा पंजाबी, देशभक्ति, बॉलीवुड के गानों पर प्रस्तुत समूह नृत्य की प्रस्तुति शानदार रहीं।

आरआरसीएम स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आज

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में 14 दिसंबर को एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी और कला उत्सव आयोजित की जाएगी। यह आयोजन छात्रों को अपनी वैज्ञानिक और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि हरियाणा एजुकेशन बोर्ड के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. पीके शर्मा, विशिष्ट अतिथि राजकीय कॉलेज की पूर्व प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा रहेंगी। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बताया कि इन प्रतिष्ठित शिक्षाविद्वों की उपस्थिति छात्रों को उच्च शिक्षा और नवाचार के लिए प्रेरित करेगी। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा तैयार किए गए 100 से अधिक मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें स्थाई ऊर्जा स्रोत, रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और दैनिक जीवन में विज्ञान के उपयोग जैसे विषय पर आधारित अभिनव परियोजना शामिल हैं।

हैप्पी स्कूल में तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का प्रमुख विषय तनाव प्रबंधन रहा, जो वर्तमान सामाजिक एवं शैक्षणिक परिवेश में अत्यंत प्रासंगिक विषय है। कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञ एवं मुख्यवक्ता प्रीति देशवाल रहीं। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से तनाव के कारण, उसके दुष्प्रभाव तथा तनाव से मुक्ति पाने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तनाव प्रबंधन व्यक्ति के मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा संतुलित जीवन जीने में सहायक होता है। कार्यक्रम का मंच संचालन म्यूरिश शर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल एवं मैनेजर चंचल अग्रवाल ने मुख्यवक्ता का विद्यालय आगमन पर स्वागत व अभिनंदन किया। प्रबंधन सदस्यों ने इस कार्यशाला को विद्यालय की एक सकारात्मक एवं दूरदर्शी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

राव सुल्तान स्कूल में प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह स्कूल निम्बहेड़ा में हिंदी और अंग्रेजी व्याकरण प्रतियोगिता करवाई गई। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव मुख्यातिथि व अध्यक्षता प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने की। एडवोकेट सतपाल यादव ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चा सीखने के साथ-साथ उनकी झिझक भी दूर होती है। विद्यालय समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिता करवाता रहता है। प्रतियोगिता की संयोजक मोनिका शर्मा रही। उन्होंने बताया कि इसमें कक्षा चौथी व पांचवी के बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों को चार टीम में बराबर बांटा गया। एक टीम में आठ बच्चे शामिल हुए, जिसमें कक्षा के हिसाब से क्विज तैयार किए गए। बच्चे बड़े ही तैयारी के साथ मैदान में कूदे।

बाजरा बोर्ड गठित करने की मांग

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी के नेता एवं प्रमुख किसान मजदूर अधिकार कार्यकर्ता अतरलाल एडवोकेट ने केन्द्र व राज्य सरकार से बाजरा उत्पादक किसानों के कल्याण के लिए बाजरा बोर्ड गठित करने की मांग की है। अतरलाल ने बाघोत, उच्चत, छिथरोली गांवों में किसानों की समस्याएं सुनते हुए उक्त मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बाजरा उत्पादक किसानों की अनदेखी कर रही है। जिसका स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार ने इस सत्र में बाजरा की सरकारी खरीद नहीं की। जिसके कारण भावांतर राशि जोड़कर भी किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से 400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हर्जाना उठाना पड़ा है।

गैलेक्सी स्कूल में अध्यापक-अभिभावक बैठक

महेंद्रगढ़। बवानियां गांव स्थित गैलेक्सी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अभिभावक अध्यापक बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान अभिभावकों का स्कूल प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। प्रधानाचार्य करन सिंह ने बताया कि यह पीटीएम अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की रिपोर्ट पर चर्चा तथा आगामी वार्षिक परीक्षाओं की रणनीति को केंद्र में रखकर आमंत्रित की गई थी, जिसमें सभी कक्षा प्रभारियों व विषय अध्यापकों ने अभिभावकों के साथ रचनात्मक विमर्श किया। इस अवसर पर नशे के दुष्प्रभावों पर अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से सार्थक संवाद किया। इस मौके पर चेयरमैन दरियाव सिंह ने पीटीएम में रचनात्मक भागीदारी के लिए अभिभावकों, विद्यार्थियों और सभी शिक्षकों का आभार जताया। इस दौरान समस्त स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

70 डबल व सिंगल मंजिला प्रतिष्ठान होंगे तैयार

सेक्टर तीन में 1.67 करोड़ रुपये से बनेगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स

विधायक ने भवन के कार्य का किया शिलान्यास, छह माह में बनकर होगा तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजीव चौक के पास लंबे समय से खाली पड़ी जमीन पर शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सेक्टर-3 में कम्युनिटी सेंटर के पास स्थित जमीन पर एचएसवीपी की ओर से 167.57 लाख की लागत से शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनाया जाएगा। कॉम्पलेक्स में डबल व सिंगल मंजिला 70 प्रतिष्ठान तैयार किए जाएंगे। निर्माण कार्य शुरू होने के छह माह में भवन बनकर तैयार होगा। विधायक लक्ष्मण यादव ने शनिवार को शॉपिंग कॉम्पलेक्स का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि शहर के पिछड़ेपन को दूर करने की दिशा में हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। अभी तक शहर का प्रतिनिधित्व करने वालों ने केवल निजी स्वार्थों क पूर्ति के लिए कार्य किया। अब शहर के विकास में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है।

रेवाड़ी। शॉपिंग कॉम्पलेक्स के कार्य का शिलान्यास करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एचएसवीपी के एक्सईएन अमित राठी, एसडीओ संदीप यादव, जेई रोहित कुमार व बिजेंद्र यादव समेत अनेक पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स से लोगों को होगा फायदा

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि शहर के विकास तथा समस्याओं के निदान को लेकर उनका निरंतर होमवर्क जारी है। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के साथ-साथ विकास की नई परियोजनाओं एवं कार्यों को लगातार गति प्रदान की जा रही है। सेक्टर-3 में 1.80 एकड़ जमीन में 167.57 लाख की लागत से शॉपिंग कॉम्पलेक्स तैयार किया जाएगा। इस कॉम्पलेक्स में 70 डबल व सिंगल मंजिला प्रतिष्ठान तैयार किए जाएंगे। निर्माण कार्य शुरू होने के छह माह में यह भवन बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे सेक्टर व आसपास के लोगों को काफी फायदा होगा। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ प्रत्येक वर्ग के हितार्थ कार्य कर रही है। रेवाड़ी को विकास की बुलंदियों पर पहुंचाकर स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाया जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। क्रमबद्ध तरीके से तमाम समस्याओं का निराकरण कराकर विकास के पहिए को रुकने नहीं दिया जाएगा।

नाबालिग प्रेमिका को बिहार भगा ले गया युवक साथ रहने से इनकार के बाद पिता को दी सूचना

- लोकेशन के आधार पर नाबालिग को लाने के लिए बिहार रवाना हुई पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

शहर की एक कॉलोनी में अपने पिता के साथ किराए के मकान में रह रही नाबालिग छात्रा को पड़ोस में रहने वाला युवक बहला-फुसलाकर बिहार भगा ले गया। युवक की परेशानी उस समय बढ़ गई, जबकि छात्रा ने उसके साथ रहने से मना कर दिया। इसके बाद युवक ने छात्रा के पिता को सूचना दी कि वह अपनी बेटी बिहार से वापस ले गए। छात्रा के पिता ने सेक्टर-6 पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस छात्रा को सकुशल लाने के लिए बिहार रवाना हो गई। मूल रूप से यूपी का रहने वाला एक व्यक्ति निजी कंपनी में कार्यरत है। वह परिवार के साथ शहर की एक कॉलोनी में रह रहा है। उसकी करीब 17 साल की बेटी दो माह पहले ही यूपी से उसके पास आकर रहने लगी थी। उसका धारूहेड़ा के ही स्कूल में एडमिशन कराया गया था। 11 दिसंबर की शाम को नाबालिग लड़की अचानक घर से लापता हो गई। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। बाद में उसे पता चला कि उसके पड़ोस में किराए के मकान में रहने वाला बिहार के औरंगाबाद निवासी आशीष नाम का युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भाग ले गया है। उसने पुलिस को शिकायत दर्ज कराते हुए बेटी की बरामदी की गुहार लगाई।

रेवाड़ी। सेक्टर-6 थाना परिसर।

आशीष ने दी फोन पर सूचना

युवक के साथ फरार हुई नाबालिग ने उसके साथ रहने से मना कर दिया। इसके बाद आशीष ने लड़की के पिता को फोन कर लड़की को बिहार से ले जाने की बात कही। लड़की के पिता ने पुलिस को इस बारे में बताया तो पुलिस ने युवक की मोबाइल लोकेशन का पता लगाकर एक टीम को लड़की बरामद करने के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी सचिन के अनुसार टीम बिहार के लिए निकल चुकी है। जल्द ही लड़की को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चौकीदार लगाने का निर्णय

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र में दुकानों में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर व्यापारियों ने शनिवार को नाहड़ रोड पर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में बैठक का आयोजन किया। बैठक में कोसली के थाना अधिकारी मनोज यादव मौजूद थे। व्यापारियों ने चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की तथा पुलिस से गश्त बढ़ाने का अनुरोध किया। व्यापारियों ने आपसी योगदान से धन एकत्र कर सर्दी के मौसम के दौरान दो महीने के लिए चौकीदार रखने का निर्णय भी लिया। एसएचओ ने कहा कि रात्रि में पुलिस की ओर से नाहड़ रोड, साल्हावास रोड़ व रेलवे रोड़ पर लगातार गश्त की जाएगी। बैठक में सरपंच प्रतिनिधि विजय पूनिया, सतनारायण गर्ग, मामनचंद गोयल, पवन कुमार स्वामी, नवीन कुमार गोयल, मोतीराम, राधेश्याम, पेश कुमार, सतीश कुमार, ताराचंद, उमराव सिंह, हरिओम बंसल व विनोद कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री ने हनुमान मंदिर व धर्मशाला का शिलान्यास किया

रेवाड़ी। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने शनिवार को आशीष-वीर पब्लिक चेरिटेबल सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने हनुमान मंदिर व आशीष मेमोरियल धर्मशाला का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने कहा कि रेजांगला की लड़ाई में हमारे सैनिकों ने जिस बहादुरी के साथ दुश्मनों का सामना किया, उस पर सभी देशवासियों को गर्व है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सैनिक संगठनों की मांग पर उन्होंने भारत-चीन युद्ध के सैनिकों की वीरगाथा को प्रदर्शित कर रहे चसूल के अहीर धाम पत्थर को पुनः पुरानी दिशा में स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर पूर्व सैनिकों व शहीद परिवारों की सैनिकों की भावनाओं को अवगत कराया है। सैनिक संगठनों की ओर से मांग की गई थी कि रेजांगला युद्ध के बाद वीर सैनिकों और शहीदों को जो वीरता मेडल दिए गए थे, उसे रिव्यू करने की आवश्यकता है।

रेवाड़ी। हनुमान मंदिर व आशीष मेमोरियल धर्मशाला का शिलान्यास करते राव इन्द्रजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल विधायक डा. कृष्ण कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली, भाजपा महामंत्री हिमांशु पालीवाल, आशीष-वीर पब्लिक चैरिटेबल सोसायटी के प्रधान कैप्टन वीर सिंह यादव, वीपी मुनेश यादव, राजीव, कविता, स्नेहा यादव और अशोक यादव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत एक शव की नहीं हुई शिनाख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की जान चली गई। दो मृतकों की पहचान हो गई, जबकि दूसरे के शव को शिनाख्त के लिए अस्पताल के शव गृह में रखवाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालकों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर कापड़ीवास फ्लाईओवर के पास बाइक पर जा रहे राजस्थान के जाटूवास निवासी योगेश की बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में योगेश की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोग हाइवे पर एकत्रित हो गए। चालक हादसे के बाद वाहन सहित फरार हो गया। काफी देर तक हाइवे पर जाम लगा रहा। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में ले लिया। सड़क से जाम हटवाया गया। पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। एक अन्य हादसे में शनिवार सुबह महेश्वरी कॉलोनी में रहने वाला मूल रूप से राजस्थान के तिमावा निवासी 40 वर्षीय राजेंद्र सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आ गया। उसे लोगों ने भिवाड़ी के अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

एक की अज्ञात वाहन की टक्कर से जान गई

हीरो कट के पास शुक्रवार की रात किसी वाहन की चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। करीब 50 साल का व्यक्ति सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आ गया। वाहन चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

खबर संक्षेप

कोसली कोर्ट में लोक अदालत का आयोजन 54 केसों का हुआ निपटारा

कोसली। कोसली कोर्ट परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सिविल जज जूनियर डिवीजन निशा की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 355 केस सुनवाई के लिए रखे गए, जिनमें 54 मामलों का दोनों पक्षों की सहमति से निपटारा किया गया। इन मामलों में 44 लाख 62 हजार 523 रुपये की समझौता व हर्जाना राशि घोषित की गई। सिविल जज जूनियर डिवीजन निशा ने दीवानी, फौजदारी, बैंक लोन, बीमा, चेक बाउंस, मैरिज एक्ट व एमवीए एक्ट के 355 मामलों की सुनवाई की। अदालत में एडवोकेट शिवराज सिंह, राकेश लांबा, प्रवीन कुमार, ईश्वर सिंह व मनोज कुमार उपस्थित थे। इस मौके पर सिविल जज निशा ने कहा कि लोक अदालत में आपसी सहमति से मुकदमे का हल होता है। इसमें न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही किसी की जीत।

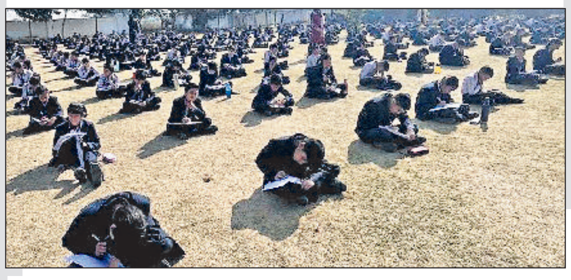

विद्यार्थियों ने जीके स्क्रीनिंग टेस्ट में दिखाई प्रतिभा

रेवाड़ी। विवेकानंद पब्लिक स्कूल लाखनौर में शनिवार को जीके स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा चौथी से लेकर बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। टेस्ट में करंट अफेयर्स, स्पोर्ट्स, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित जीव विज्ञान, भौगोलिक विज्ञान, राजनीतिक विज्ञान व सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए। सभी विद्यार्थियों ने स्क्रीनिंग टेस्ट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने कहा कि आज के दौर में बढ़ते हुए कम्पीटीशन को देखते हुए जीके स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन किया गया ताकि विद्यार्थियों को रोजना अपने आसपास घटित होने वाली गतिविधियों तथा सरकारी योजनाओं के बारे में जानने की जिज्ञासा बढ़ सकें।

ट्रामा सेंटर में चलाया सफाई अभियान, मरीजों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना उद्देश्य

रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर परिसर में शनिवार को उन्नीसवां सफाई अभियान चलाया गया। सफाई अभियान ट्रॉमा सेंटर के बाहर व अंदर के क्षेत्रों में मदन सुपरवाइजर की देखरेख में चलाया गया। इस दौरान ट्रॉमा सेंटर परिसर में जमा गंदगी, कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर निस्तारित किया गया। फर्श, गलियारों, प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय एवं आसपास के खुले क्षेत्रों की विशेष सफाई की गई। अभियान में महेश, तरुण सुपरवाइजर, माली पवन, अरुण, अनिल सफाई कर्मी, जितेंद्र, नरेश, राकेश, हर्ष, रिंकू, सुरेंद्र, रेनू, प्रकाश, कुलदीप व अजय कुमार सहित अन्य कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. सुरेंद्र यादव ने कार्य का निरीक्षण किया तथा सभी कर्मचारियों के कार्य की सराहना की। इस अवसर पर पीएमओ डा. यादव ने कहा कि अभियान का उद्देश्य मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ व स्वस्थ्य वातावरण उपलब्ध कराना तथा संक्रमण की संभावनाओं को न्यूनतम करना है। अस्पताल प्रशासन ने सफाई टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सफाई अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि जिला नागरिक अस्पताल में स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखा जा सकें।

कपड़े भेजने के नाम पर साइबर ठगी मामले में मुख्य आरोपी काबू

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने गत सितंबर माह में कपड़े भेजने के नाम पर एक व्यक्ति से करीब 80 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला अलवर के गांव चौकी मन्नु बास हाल किरायेदार धारूहेड़ा निवासी फारुख खान के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत 15 अक्टूबर को मूलरूप से हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी के छतरी निवासी जयपाल ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह सीएसडी कैंटीन के पास एक दुकान में कार्य करता है।

शपथ से पहले ही दीपक मंगला की विदाई नवल मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन

रेवाड़ी। मार्केट कमेटी का वायस चेयरमैन बनाए जाने के बाद जो दीपक मंगला शपथ ग्रहण का इंतजार कर रहे थे, उन्हें अब इस पद से चलता कर दिया गया है। दीपक मंगला के स्थान पर नवल किशोर गुप्ता को वाइस चेयरमैन बनाया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से गुप्ता की नियुक्ति के साथ नया नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। दीपक मंगला को शपथ से पहले हटाना एक भाजपा नेता के लिए झटका माना जा रहा है। करीब दो माह पूर्व प्रदेश सरकार ने मार्केट कमेटी के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन से लेकर सदस्य तक नियुक्त किए थे। कैबिनेट मंत्री आरती राव के हस्तक्षेप से कुछ पदों पर नियुक्त लोगों के नाम शुरू में ही बदल दिए गए थे। रेवाड़ी मार्केट कमेटी में अनिल सैनी को चेयरमैन और दीपक मंगला को वाइस चेयरमैन बनाया गया था। दीपक मंगला को एक भाजपा नेता का करीबी माना जाता है। वह खुद भी पार्टी संगठन के साथ जुड़े रहे हैं। जानकार सूत्रों के अनुसार मंगला को वाइस चेयरमैन बनाने के बाद से ही केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत खेमे से जुड़े कार्यकर्ता खुश नजर नहीं आ रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी के चलते ही दीपक मंगला को शपथ ग्रहण करने से पहले विदाई दे दी गई। प्रदेश सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से 12 दिसंबर को ही नया नोटिफिकेशन जारी किया गया है, जिसमें मार्केट कमेटी चेयरमैन तो अनिल सैनी ही रखे गए हैं, परंतु वाइस चेयरमैन के पद पर दीपक मंगला की जगह नवल किशोर गुप्ता का नाम शामिल किया गया है।

मदार-रेवाड़ी-मदार एक्सप्रेस रेलसेवा का संचालन 24 से

- इस गाड़ी में 7 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 9 डिब्बे होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेलवे की ओर से अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए मदार-रेवाड़ी-मदार एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09639 मदार-रेवाड़ी एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 24 दिसंबर से 2 जनवरी तक मदार से प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे रवाना होकर 10:40 बजे रेवाड़ी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09640 रेवाड़ी-मदार एक्सप्रेस स्पेशल रेलसेवा 24 दिसंबर से 2 जनवरी तक रेवाड़ी से प्रतिदिन शाम 3:30 बजे रवाना होकर रात्रि 10:35 बजे मदार पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में किशनगढ, नरैना, फुलेरा, रेनवाल, बधाल, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, भागेगा, नीमकाथाना, मावंडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली व कुंड स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस गाड़ी में 7 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 9 डिब्बे होंगे।

वार्षिक सम्मान समारोह कल

रेवाड़ी। हरियाणा बिजली पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन जिला यूनिट की ओर से 15 दिसंबर को सुबह 10 बजे हरिओम लैब एंड हॉस्पिटल कानोड़ गेट पर वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा विद्युत विभाग के वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी एसके गर्ग पूर्व अधीक्षक अभियंता होंगे। एसोसिएशन के प्रधान नरेन्द्र रोहिल्ला ने बताया कि कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश की विभिन्न बिजली पेंशनर वेलफेयर संस्थाओं की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम में डीसी अभिषेक मीणा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। वर्तमान अधीक्षक अभियंता प्रदीप कुमार, सभी कार्यकारी अभियंता व उपमंडल अधिकारी भी समारोह में शिरकत करेंगे।

प्रतियोगिता | विधायक लक्ष्मण सिंह के पुत्र निशांत यादव व राजेंद्र सैनी ने ध्वजारोहण करके खेलों का शुभारंभ किया

राज स्कूल के विद्यार्थियों ने वार्षिक खेल उत्सव में दिखाई प्रतिभा

- उप प्राचार्या निधि सैनी और कक्षा आठवीं की छात्रा जिव्यांशी ने खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राज इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। खेल महोत्सव में बच्चों ने 100 मीटर रेस, 200 मीटर रेस, 100 गुणा 4 रिले रेस, बैक रेस 50 मीटर, सैक रेस 50 मीटर, रस्साकस्सी और लॉन्ग जम्प इवेंट में भाग लिया। मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मण सिंह के पुत्र निशांत यादव व विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने ध्वजारोहण करके खेलों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्कूल निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी और हेमंत सैनी भी उपस्थित थे। मंच का संचालन अध्यापिका अंजु व विक्रम ने किया। स्कूल के अर्जुन, अभिमन्यु, एकलव्य और नचिकेता चारों सदनों के खिलाड़ियों ने स्कूल हेड गर्ल जिव्यांशी व हेडबॉय लक्ष्य के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया। उप प्राचार्या निधि सैनी और कक्षा आठवीं की छात्रा जिव्यांशी ने खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। इस मौके पर अभिभावकों के लिए भी अनेक इवेंट्स का आयोजन किया गया। शिक्षकों व ड्राइवरों ने भी अपना खेल प्रदर्शन दिखाया। खेल महोत्सव में एंटरप्रेन्योरशिप के अंतर्गत बच्चों ने खाने-पीने की स्टाल की व्यवस्था भी की। इस मौके पर मुख्यातिथि निशांत यादव ने कहा कि खेल हमें सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण सीख भी देते हैं।खेल महोत्सव के आयोजन में खेल प्रशिक्षक विनय, दीपक, राजेश, सागर, रवि सिंह, कुनाल और भारत सहित सभी शिक्षकों का योगदान रहा।

रेवाड़ी। खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

व्यायाम से मन की शांति प्राप्त होती है

स्कूल निदेशक नवीन सैनी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन की वह अनमोल धारा है, जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को सुदृढ़ बनाती है। जब हम खेलते हैं, तो शरीर में रक्त का प्रवाह तेज होता है और हृदय की धड़कन नियमित रूप से चलने लगती है। इस निरंतर गति से न केवल हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हैं, बल्कि मन की शांति भी प्राप्त होती है।

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेषः विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या! *

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

चिंता-तनाव को करें दूर
रहें हमेशा टेंशन-फ्री

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं। शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवार्ड्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *